पटवा टोली: बिहार में आईआईटीयंस का गाँव

चर्चा में क्यों?

बिहार में, **पटवा टोली** नाम का एक गाँव लगातार एक दर्ज़न से अधिक आईआईटीयन का मूल होने के कारण **'आईआईटी फैक्ट्री'** के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है।

- **गया** में स्थित इस गाँव में बड़ी संख्या में IIT क्वालिफायर हैं और लगभग हर घर में एक इंजीनियर है।

मुख्य बिंदु:

- **वृक्ष** (**Vriksha**) एक संगठन है, जो वर्ष 2013 से **JEE मेन परीक्षा** के लिये **निःशुल्क कोचिंग प्रदान** कर रहा है।
    - **IIT स्नातकों द्वारा वित्त पोषित यह पहल छात्रों को** प्रमुख शिक्षकों द्वारा संचालित **इंजीनियरिंग पुस्तकों और ऑनलाइन कक्षाएँ प्रदान** करती है
    - आर्थिक रूप से वंचित छात्रों का समर्थन करने के लिये **वृक्ष वेद चेन ने** दिल्ली और मुंबई के स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा संचालित ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से **निःशुल्क शिक्षा की पेशकश करने वाला एक पुस्तकालय मॉडल स्थापित किया।**
- पटवा टोली के आईआईटी क्वालिफायर की सफलता की कहानी **वर्ष 1991 से शुरू हुई**, जिसने गाँव में IIT क्वालीफाई करने की आकांक्षाओं को जागृत दी थी।
- यह क्षेत्र शुरुआत में वस्त्र बुनाई के इतिहास के कारण **'बिहार का मैनचेस्टर'** के रूप में जाना जाता था, पटवा टोली ने अब अपनी उल्लेखनीय शैक्षिक उपलब्धियों के लिये **'आईआईटियंस के गाँव'** का **नाम अर्जित किया** है।
    - इंजीनियरों और चिकित्सा पेशेवरों को तैयार करने की समृद्ध विरासत के साथ, पटवा टोली **शिक्षा एवं सामुदायिक समर्थन की परिवर्तनकारी शक्ति के प्रमाण के रूप में स्थापित** हुआ है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/patwa-toli-the-village-of-iitians-in-bihar